BABASAHEB BHIMRAO AMBEDKAR

BIHAR UNIVERSITY, MUZAFFARPUR

PIN-842001 (BIHAR)

Website:-www.brabu.net

Ref:..... **Date:.....**

PRINT MEDIA COVERAGE ON B.R.A.BIHAR UNIVERSITY NEWS COMPILED BY MEDIA CELL (23.02.2025)

HINDUSTAN, MUZAFFARPUR, DATE:23.02.2025, PAGE-06

पीजी में 50 फीसदी सीट पर ही दाखिला

बीआरएबीयू

- मेरिट लिस्ट में 10885 विद्यार्थियों के नाम, अब तक 5734 सीटों पर दाखिला
- बीआरएबीयू में कई विषयों में 20 से 30 फीसदी भी नहीं हो सका है नामांकन

मुजफ्फरपुर, प्रमुख संवाददाता। बीआरए बिहार विवि में पीजी में अब तक 50 फीसदी सीटों पर ही नामांकन हुआ है। विवि समेत विभिन्न कॉलेज में पीजी में कुल 10885 सीटों पर नामांकन होना है। विवि अधिकारियों के अनुसार अब तक 5734 सीट पर ही नामांकन हुआ है। कई विषय ऐसे हैं जिनमें 20 से 30 फीसदी भी दाखिला नहीं हो सका है। वहीं, नामांकन की कम संख्या के मद्देनजर विवि ने इसकी तिथि 20 से बढ़ाकर 28 फरवरी कर दी है।

पहली मेरिट लिस्ट में नामांकन के लिए 10885 विद्यार्थियों की सूची जारी की गई है। इस में अलग-अलग विषयों में विद्यार्थियों की संख्या अलग-अलग है। विवि में निकाली गई मेरिट लिस्ट के अनुसार कॉमर्स में 1291 तो इतिहास में 1209 सीट पर नामांकन होना है। इसके आधार पर नामांकन की प्रक्रिया 10 फरवरी से ही शुरू है। अधिकारियों ने बताया कि अब तक सबसे अधिक नामांकन इतिहास में हुआ है। कई विषय ऐसे हैं जहां एक से दो ही नामांकन हो सके हैं। अधिकारियों का कहना कि नामांकन की संख्या इससे अधिक हो सकती है। परीक्षा के कारण कई कॉलेज डाटा अपडेट नहीं कर रहे हैं।

आवेदन के बाद दूसरे कोर्स में ले लिया दाखिला

कई छात्र-छात्राओं ने कहा कि उन्होंने पीजी में नामांकन के लिए आवेदन किया था। यहां की लेटलतीफी के कारण उन्होंने बाहर के विवि में दूसरे कोर्स में दाखिला ले लिया। ताकि, समय पर सत्र भी खत्म हो और उनको इसका लाभ मिल सके। वहीं, कुछ का कहना है कि बेहतर मौका मिलने पर उन्होंने बाहर दाखिला ले लिया।

BABASAHEB BHIMRAO AMBEDKAR

BIHAR UNIVERSITY, MUZAFFARPUR

PIN-842001 (BIHAR)

Website:-www.brabu.net

Ref:..... **Date:.....**

DAINIK JAGRAN, MUZAFFAPRUR
DATE: 23.02.2025, PAGE-04

पहले अंडरटेकिंग, तब छात्रावास की सुविधा

जागरण संवाददाता, मुजफ्फरपुर: बीआरए बिहार विश्वविद्यालय में अब शोधार्थियों को सशर्त छात्रावास की सुविधा दी जाएगी। पैट 2022 में कोर्स वर्क करने वाले शोधार्थियों को छात्रावास आवंटन के लिए अंडरटेकिंग देना होगा। इसमें उन्हें इस बात का जिक्र करना होगा कि कोर्स वर्क की समाप्ति के बाद वे छात्रावास खाली कर देंगे। बगैर अंडरटेकिंग के शोधार्थियों को छात्रावास आवंटित नहीं किया जाएगा। कोर्स वर्क की समाप्ति के बाद ही उन्हें छात्रावास खाली करना होगा। अगर ऐसा नहीं होता है तो विश्वविद्यालय की ओर से अनुशासनिक कार्रवाई की जाएगी।

DAINIK JAGRAN, MUZAFFARPUR
DATE: 23.02.2025, PAGE-04

नामांकन समिति की वैठक कल, फीस पर होगा निर्णय

जागरण संवाददाता, मुजफ्फरपुर : बीआरए बिहार विश्वविद्यालय में नामांकन प्रक्रिया में पीजी विभागों में शुल्क की एकरूपता को लेकर नामांकन समिति की बैठक सोमवार को होगी। कुलपति प्रो. डीसी राय की अध्यक्षता में होने वाली इस बैठक में सभी पीजी विभागों में फीस की एकरूपता से लेकर और नामांकन में किसी अन्य प्रकार का विकास आदि मद में शुल्क नहीं लिए जाने पर सहमति बनेगी। बीए बीएड और बीएससी बीएड के विद्यार्थियों का पीजी कोर्स में नामांकन पर भी फैसला होगा।

BABASAHEB BHIMRAO AMBEDKAR

BIHAR UNIVERSITY, MUZAFFARPUR

PIN-842001 (BIHAR)

Website:-www.brabu.net

Ref:..... **Date:.....**

PRABHAT KHABAR, MUZAFFARPUR, DATE: 23.02.2025, PAGE-04

पीएचडी कोर्स वर्क के लिए विद्यार्थियों को मिलेगा हॉस्टल

बीआरएबीयू छह महीने तक देगा सुविधा

उपमुख्य संवाददाता, मुजफ्फरपुर

बीआरएबीयू में पीएचडी कोर्स वर्क के लिए शोध छात्रों को हॉस्टल की सुविधा मिलेगी. इसके लिए उन्हें अंडरटेकिंग देना होगा कि छह महीने का कोर्स वर्क पूरा होने के बाद वे स्वेच्छा से हॉस्टल छोड़ देंगे.पैट 2022 के सफल छात्र-छात्राओं का कोर्स वर्क शुरू हो चुका है.

बनी है सहमति

विभिन्न विषयों में चयनित दूसरे जिलों के शोध छात्रों ने हॉस्टल के लिए विवि को आवेदन दिया है. छात्रों की हॉस्टल आवंटित करने पर सहमति बनी है. विवि से हॉस्टल आवंटन को लेकर नियम कड़े कर दिये गये है. स्पष्ट कहा है कि किसी भी छात्र-छात्रा को केवल एक बार ही हॉस्टल की सुविधा मिलेगी.

बानी दोबारा पीजी या अन्य किसी डिप्लोमा कोर्स में एडमिशन लेकर हॉस्टल के लिये आवेदन करेंगे, तो उसे रिजेक्ट कर दिया जायेगा. कोर्स पूरा होने के बाद छात्र-छात्राओं को खुद ही हॉस्टल छोड़ देना होगा.

कमरा खाली नहीं करने पर विवि स्तर से कार्रवाई की जायेगी. 20 फरवरी से पीएचडी सत्र 2022 का कोर्स वर्क शुरू हुआ है. सभी पीजी विभागों में छह महीने तक कोर्स वर्क की रेगुलर क्लास चलेगी.

BABASAHEB BHIMRAO AMBEDKAR

BIHAR UNIVERSITY, MUZAFFARPUR

PIN-842001 (BIHAR)

Website:-www.brabu.net

Ref:..... **Date:.....**

PRABHAT KHABAR, MUZAFFARPUR
DATE: 23.02.2025, PAGE-04

विवि कम्युनिटी हॉल के बगल के तालाब का होगा सौंदर्यीकरण

मुजफ्फरपुर. सिकंदरपुर मन के बाद शहर के सबसे बड़े यूनिवर्सिटी तालाब का सौंदर्यीकरण अब नगर निगम करायेगा. बीआरए बिहार विश्वविद्यालय प्रशासन ने इसके लिए एनओसी प्रदान कर दिया है. यह तालाब यूनिवर्सिटी प्रशासनिक भवन के पीछे कम्युनिटी हॉल एवं सोशल साइंस ब्लॉक के बगल में स्थित है. तालाब लगभग पांच एकड़ में है. सालों भर इस तालाब में पानी रहता है. बगल में ही यूनिवर्सिटी का हेल्थ सेंटर भी है. लेकिन, सौंदर्यीकरण के अभाव में तालाब की सूरत दिनों-दिन बिगड़ती चली गयी. अब इस तालाब को नगर निगम अटल मिशन फॉर रिजुवेनेशन एंड अर्बन ट्रांसफॉर्मेशन (अमृत) योजना से सौंदर्यीकरण करा आसपास के एरिया को सुंदर बनायेगा. सौंदर्यीकरण कर पार्क जैसा लुक दिया जायेगा. इसकी प्रशासनिक कवायद तेज हो गयी है. उम्मीद है कि अगले महीने एस्टीमेट बना टेंडर की प्रक्रिया शुरू हो जायेगी. स्थानीय पार्षद राजीव कुमार पंकू ने कहा कि छह महीने पहले ही कुलपति ने उन्हें तालाब के रखरखाव व सौंदर्यीकरण के लिए एनओसी प्रदान कर दिया है. कम्युनिटी हॉल के बगल का तालाब शहर का सबसे बड़ा तालाब है. इसके बाद दूसरा तालाब रीडर क्वार्टर के बीचों-बीच बना है, जहां हर वर्ष छठ व्रती पूजा करते हैं.

पिछले महीने ही मांगी गई थी रिपोर्ट

अमृत 2.0 के तहत जलाशय के बगल में नया पार्क डेवलप करने के लिए पिछले महीने ही प्रस्ताव मांगा गया है. इसमें कहा गया था कि नये पार्क का क्षेत्रफल न्यूनतम पांच एकड़ का होगा. अगर शहरी क्षेत्र में कोई पुराना जलाशय है, तो उसे भी विकसित कर पार्क का रूप दिया जायेगा. जमीन चिह्नित होने के बाद इसी साल में नये पार्क का निर्माण शुरू होगा. सचिव ने कहा है कि पार्क का प्रस्ताव भेजते वक्त इसका हर हाल में ख्याल रखना है कि चिह्नित जमीन शहरी क्षेत्र से दूर नहीं हो. इसका क्षेत्रफल पांच एकड़ तक होना जरूरी है. पूर्व से कोई पार्क व जलाशय बना है. अगर उसका पुनर्विकास की आवश्यकता है, तो इसका भी जिक्र प्रस्ताव में करना है.

कमेटी से मंजूरी के बाद होगा काम : अमृत 2.0 योजना से पार्क विकसित करने का मुख्यालय स्तर पर एक अप्रेक्स कमेटी बनायी गयी है. जिलों से भेजे गये प्रस्ताव अप्रेक्स कमेटी के समक्ष रखा जायेगा. कमेटी प्रस्ताव की जांच करेगी. इसके बाद शहरों का चयन होगा. इसका मकसद, शहरों में रहने वाले लोगों की जिंदगी की गुणवत्ता में सुधार करना है.